न्यूज डायरी

डैम बनाने के दौरान बाढ़ का था खतरा, पहियों पर शिफ्ट की गई 609 साल पुरानी मस्जिद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा (तुर्की)। तुर्की के एक प्रांत में 609 साल पुरानी को मस्जिद को पहियों पर ले जाकर करीब 3 किलोमीटर दूर शिफ्ट किया गया। इतनी पुरानी मस्जिद को एक बड़े वाहन पर शिफ्ट होते देखना अपने आप में रोमांचक रहा। दरअसल जिस जगह यह मस्जिद थी, वहां एक डैम बनाना तय हुआ है। ऐसे में बाढ़ के खतरे से बचने के लिए इस मस्जिद को शिफ्ट किया गया है। स्थानीय प्राधिकरण मस्जिद के अलावा कई ऐतिहासिक इमारतों को बचाने की कोशिश कर रही है। जिस मस्जिद को शिफ्ट किया गया है, उसका निर्माण साल 1409 में एबु अल मेफाहिर ने किया था।

अमेरिकी संसद के लिए दावेदारी करेंगे भारतीय मूल के कृष्णा बंसल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी और समाजसेवी कृष्णा बंसल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। बंसल 11वें संसदीय क्षेत्र इलिनोइस से रिपब्लिकन पार्टी के दावेदार के तौर पर चुनावी दौड़ में शामिल होंगे। उन्होंने सप्ताहांत से अपना प्रचार अभियान शुरू किया जिसमें 20 से अधिक निर्वाचित अधिकारी, प्रमुख भारतीय–अमेरिकी नेता और उनके संसदीय क्षेत्र से समुदाय के सदस्य शामिल हुए। बंसल ने अगले साल नवंबर में होने वाले चुनावों के लिए अपने प्रचार अभियान की घोषणा करते हुए कहा, "मैं सांसद बनने की दावेदारी कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने देश से प्यार करता हूं।

अमेरिका,क्यूबा ने कूटनीतिक संबंधों को बहाल करने की घोषणा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नयी दिल्ली। साल के आखिरी महीने का सत्रहवां दिन इतिहास में दो बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं के साथ दर्ज है। वर्ष 2014 में 17 दिसम्बर को अमेरिका और क्यूबा ने कई दशकों के बाद दोबारा कूटनीतिक संबंधों को बहाल किये जाने की घोषणा की थी। फिदेल कास्त्रो के तीन जनवरी, 1961 में बतिस्ता शासन को हटाकर सत्ता में आने के बाद अमेरिका ने क्यूबा के साथ संबंध तोड़ लिये थे लेकिन 17 दिसम्बर,2014 को उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा और क्यूबा के नेता राउल कास्त्रो ने कूटनीटिक संबंधों को बहाल किये जाने की घोषणा की थी। सत्रह दिसम्बर की तारीख में इतिहास में दर्ज दूसरी बड़ी घटना 1903 की है जब 115 साल पहले 1903 में राइट बंधुओं ऑरविल और विलबर ने उत्तरी कैरोलिना में 'राइट फ्लायर' नामक विमान से सफल उड़ान भरी थी।

कौन हैं परवेज मुशर्रफ, क्या है वह राजद्रोह केस जिसमें उन्हें मौत की सजा हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को यहां की एक विशेष अदालत ने देशद्रोह के मामले में मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। वह पहले ऐसे सैन्य शासक हैं जिन्हें देश के अबतक के इतिहास में मौत की सजा सुनाई गई है। पेशावर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वकार अहमद सेठ की अध्यक्षता में विशेष अदालत की तीन सदस्यीय बेंच ने 76 वर्षीय मुशर्रफ को लंबे समय से चल रहे देशद्रोह के मामले में मौत की सजा सुनाई। यह मामला 2007 में संविधान को निलंबित करने और देश में आपातकाल लगाने का है जो दंडनीय अपराध है और इस मामले में उनके खिलाफ 2014 में आरोप तय किए गए थे। अदालत के दो न्यायाधीशों ने मौत की सजा सुनाई जबकि एक अन्य न्यायाधीश की राय अलग थी। पाकिस्तान के पूर्व सैन्य तानाशाह ने 3 नवंबर 2007 को संविधान को निलंबित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। बाद में जब पीएमएल–एन की सरकार सत्ता में आई तो दिसंबर 2013 में मुशर्रफ के खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किा गया। इस मामले में 31 मार्च 2014 को आरोप तय किए गए और उसी साल सितंबर में अभियोजन पक्ष ने स्पेशल कोर्ट में सभी सबूतों को पेश किया। मुशर्रफ फिलहाल दुबई में हैं और बताया जा रहा है कि वह बीमार हैं।

मलयेशिया समिट में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान पीएम इमरान खान?

तुर्की, ईरान, कतर समेत 52 देशों के नेताओं के हिस्सा लेने की उम्मीद

नागवार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान जल्द इस पर फैसला लेने वाले हैं कि वह अपने मलयेशियाई समकक्ष महातिर मोहम्मद की मेजबानी में इस हफ्ते होने वाले कुआलालंपुर शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे या नहीं। हालांकि, सोमवार को एक रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अगर इमरान इस समिट में हिस्सा लेते हैं तो यह बात पाकिस्तान के करीबी सहयोगी सऊदी अरब को नागवार लग सकती है।

19 से 21 दिसंबर तक चलेगा कुआलालंपुर समिट: कुआलालंपुर समिट 19 दिसंबर से 21 दिसंबर तक चलेगा और इसे मुस्लिम वर्ल्ड में एक नए पावर सेंटर को बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। समिट में तुर्की, कतर, ईरान के नेता भी हिस्सा ले रहे हैं। इसमें 52 देशों के 450 नेताओं, स्कॉलरों, मौलानाओं और विचारकों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

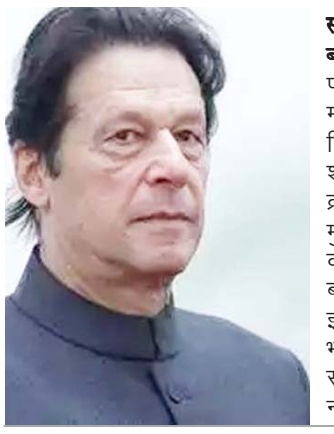

सऊदी की नाराजगी मोल लेने से बचेगा पाकिस्तान

पाकिस्तान सऊदी अरब की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहेगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले शनिवार को इमरान ने सऊदी में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की थी। मई के बाद इमरान की यह चौथी सऊदी यात्रा थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान इमरान ने सऊदी क्राउन प्रिंस को यह भरोसा दिया कि पाकिस्तान कभी भी सऊदी अरब के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

इसलिए समिट को खुद के लिए खतरे के तौर पर देख रहा सऊदी

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, समिट को सऊदी के नेतृत्व वाले ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को–ऑपरेशन (ओ) का विकल्प तैयार करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी का मुस्लिम वर्ल्ड में दबदबा रहा है और वह इस समिट को खुद की बादशाहत को चुनौती के रूप में देख सकता है।

मुस्लिम वर्ल्ड का नेता बनने की कोशिश में इमरान?: दरअसल, इस साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इमरान के भाषण से साफ जाहिर हुआ था कि वह मुस्लिम वर्ल्ड का नेता बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। यूएनजीए बैठक से इतर, इमरान ने तुर्की और मलयेशिया के साथ मिलकर मुस्लिमों के लिए इंटरनैशनल टीवी चौनल बनाने की भी बात की थी। यूएनजीए में इमरान के भाषण से सऊदी अरब नाराज भी हुआ था और यही वजह थी कि उसने इमरान को वहां जाने के लिए जो प्लेन दिया था, उसे तत्काल वापस ले लिया।

दुविधा में पाकिस्तान, मलयेशिया और सऊदी दोनों को कैसे साधे

इमरान खान के करीबी सहयोगी फिरदौस आशिक अवान ने कहा है कि प्रधानमंत्री मलयेशिया जाएंगे या नहीं, इसका फैसला राष्ट्रीय हित के मद्देनजर लिया जाएगा। इमरान फिलहाल देश से बाहर हैं। बहरीन के बाद उनका जिनेवा दौरे का कार्यक्रम है और वह बुधवार को पाकिस्तान लौटेंगे। फिरदौस ने कहा कि खान के इस्लामाबाद लौटने के बाद ही इस पर फैसला होगा कि वह मलयेशिया जाएंगे या नहीं। पाकिस्तान सऊदी अरब की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहेगा। सऊदी अरब पहला ऐसा देश था जिसने इमरान खान सरकार को आर्थक मदद के लिए आगे आया।

2019 में दुनियाभर में 49 पत्रकारों की हुई हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पैरिस। इस साल दुनियाभर में 49 पत्रकारों की हत्याएं हुईं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने मंगलवार को कहा कि पिछले 16 सालों में पत्रकारों की हत्या का यह आंकड़ा सबसे कम है। इस पैरिस बेस्ड संगठन ने साथ में आगाह भी किया कि पत्रकारिता सबसे खतरनाक पेशाश बना हुआ है। इस साल जो पत्रकार मारे गए उनमें से ज्यादातर की यमन, सीरिया और अफगानिस्तान में संघर्षों को कवर करने के दौरान हत्याएं हुईं।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर ने बताया कि पिछले 2 दशकों से ज्यादा समय से हर साल दुनियाभर में औसतन 80 पत्रकारों की हत्याएं हो रही हैं। संस्था ने साथ में यह भी कहा कि शांत माने जाने वाले देशों में भी पत्रकारों की काफी हत्याएं हुईं हैं। इस साल 10 पत्रकार अकेले मेक्सिको में मारे गए। लैटिन अमेरिका में इस साल सबसे ज्यादा 14 पत्रकारों की हत्याएं हुईं और यह पत्रकारों के लिए मिडल ईस्ट जितना ही खतरनाक साबित हुआ है। इस साल देशभर में करीब 389 पत्रकारों को जेल में डाला जो पिछले साल के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा है। इनमें से करीब आधे तो सिर्फ तीन देशों– चीन, मिस्र और सऊदी अरब के हैं। सऊदी अरब पर तो पिछले साल इस्तांबुल में अपने दूतावास के भीतर पत्रकार जमाल खगोशी की हत्या का आरोप है।

दक्षिण–पश्चिम चीन में खदान में विस्फोट, 14 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। दक्षिण–पश्चिम चीन में मंगलवार को कोयले की एक खदान में विस्फोट में 14 लोगों की मौत हो गई और 2 लोग अब भी खदान में फंसे हुए हैं। हादसा स्थानीय समयानुसार देर रात डेढ़ बजे के करीब हुआ। हादसे के वक्त 23 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि 7 मजदूरों को बचा लिया गया। 14 शव बरामद हुए हैं और 2 मजदूर अभी भी फंसे हुए हैं। दक्षिण–पश्चिम गुइझु क्षेत्र की सरकार ने बताया कि अनलोंग काउंटी के गुआंगलोंग खदान में विस्फोट हुआ।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना चाहते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने सोमवार को कहा कि वह चाहते हैं कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम की जाए भले ही शांति समझौता हो पाए या नहीं। उन्होंने कहा कि वह चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को भी उच्च प्राथमिकता देना चाहते हैं।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक अमेरिका और तालिबान के बीच हफ्तेभर पहले शांति वार्ता बहाल होने के बाद अब ऐसी उम्मीद है कि ट्रंप प्रशासन अफगानिस्तान से करीब 4,000 सैनिकों को वापस बुलाने की योजना की घोषणा कर सकता है।

एस्पर ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि नाटो मिशन और अफगानिस्तान में अमेरिकी बलों के प्रमुख ऑस्टिन मिलर को भरोसा है कि वहां सैनिकों की संख्या कम की जा सकती है। एस्पर ने कहा कि मिलर का मानना है कि वह सभी महत्वपूर्ण आतंक निरोधी मिशन कर सकते हैं, अफगान सेना को प्रशिक्षण, मश्विरा और सहायता देने का काम भी कर सकते हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा, श्मैं संख्या कम करना चाहता हूं क्योंकि मुझे लगता है कि उन सैनिकों को वापस घर बुला लिया जाए ताकि नए मिशन के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जा सके या फिर उन्हें हिंद–प्रशांत क्षेत्र में तैनात किया जाए ताकि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा की चुनौती का सामना किया जा सके।

एस्पर ने कहा कि अफगानिस्तान समस्या का समाधान सरकार और तालिबान के बीच राजनीतिक समझौता ही है। उन्होंने कहा, श्लेकिन राजनीतिक समझौते हो चाहे न हो, हम उसके बिना भी यह कर सकते हैं। अफगानिस्तान में अभी 13,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

अफगानिस्तान में बम की चपेट में आने से एक ही परिवार के 10 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में मंगलवार सुबह एक वाहन के बम की चपेट में आने से एक ही परिवार के 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी किसी के जनाजे में शामिल होने जा रहे थे। खोस्त प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता तालिब मंगल ने 'एएफपी' से कहा, '' घटना में तीन बच्चे, दो महिलाएं और पांच आदमी मारे गए।'' प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता आदिल हैदर ने मृतक आंकड़े की पुष्टि और विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, ''वे लोगार प्रांत में किसी के जनाजे में शामिल होने जा रहे थे।''

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने हालांकि कहा कि तालिबान ने सड़क किनारे बम लगाया था। तालिबान ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं समाचार एजेंसी 'एपी' की खबर के अनुसार रहीमी का कहना है कि तालिबान लगातार देश में अफगान सुरक्षा बलों और सरकारी अधिकारियों को सड़क किनारे बम लगा कर निशाना बना रहा है। ऐसे हमलों में बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए हैं। खोस्त काबुल के दक्षिण–पूर्व में स्थित है और उसकी सीमा पाकिस्तान से लगती है।